

विश्व में रोजगार का नया बाजार है योग : मोदी

तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश-विदेश में रही धूम

लखनऊ, 21 जून (भाषा)।

योग को विश्व में रोजगार का नया बाजार करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि योग के कारण पूरी दुनिया भारत से जुड़ने लगी है। तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत सहित कई देशों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मोदी ने यहां रमाबाई आंबेडकर मैदान पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में लगभग 50 हजार लोगों के साथ योग करने से पहले अपने संबोधन में कहा, 'विश्व के अनेक देश, जो न हमारी भाषा जानते हैं, न हमारी परंपरा जानते हैं, न हमारी संस्कृति से परिचित हैं, लेकिन योग के कारण आज पूरा विश्व भारत के साथ जुड़ने लगा है। योग - जो शरीर, मन, बुद्धि को जोड़ता है, वो योग आज विश्व को अपने साथ जोड़ने में बहुत अहम भूमिका अदा कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'विश्व में एक नया रोजगार बाजार योग द्वारा तैयार हो रहा है और भारत के लोगों की प्राथमिकता सारी दुनिया में सबसे पहले रहती है।' प्रधानमंत्री ने कहा **बाकी पेज 8 पर**



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को लखनऊ में तीसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग मुद्रा में।

● विश्व में एक नया रोजगार बाजार योग द्वारा तैयार हो रहा है। अनेक नए-नए योग संस्थान आज विकसित हुए हैं। पिछले तीन वर्ष में बहुत बड़ी संख्या में योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है।

● वैज्ञानिक तरीके से, विश्व में समान रूप से योग की प्रक्रिया के मानकीकरण के प्रयास चल रहे हैं। पिछले वर्ष यूनेस्को ने भारत के योग को मानव संस्कृति की अमर विरासत के रूप में मान्यता दी है।

विश्व में रोजगार का नया बाजार है योग : मोदी

पेज 1 का बाकी

कि योग के कारण अनेक नए-नए योग संस्थान आज विकसित हुए हैं। पिछले तीन वर्ष में बहुत बड़ी संख्या में योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है। योग प्रशिक्षण संस्थानों में भी नौजवान योग को एक पेशे के रूप में स्वीकार करते हुए अपने-आप को तैयार कर रहे हैं। दुनिया के सब देशों में योग शिक्षकों की मांग हो रही है। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपद येसो नाईक, उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं डा. दिनेश शर्मा मोदी के साथ मंच पर मौजूद थे।

मोदी ने कहा, 'योग की एक विशेषता है मन को स्थिर रखने की, किसी भी प्रकार के उतार-चढ़ाव के बीच भी स्वस्थ मन के साथ जीने की कला योग से सीखने को मिलती है। लेकिन आज, मैं लखनऊ के इस विशाल मैदान में हजारों

लोगों को देख रहा हूँ। और ये लोग एक संदेश दे रहे हैं कि जीवन में योग का तो महत्त्व है ही, लेकिन अगर बारिश आ जाए तो योग मैट का भी कैसे उपयोग हो सकता है, योग दरी का उपयोग कैसे हो सकता है; ये भी लखनऊ वालों ने दिखा दिया है। लगातार बारिश के बीच भी आप सब यहां डटे हुए हैं, योग के महात्म्य को बल देने का आपका ये प्रयास अभिनंदनीय है।'

उन्होंने कहा कि योग ने स्वयं भी व्यक्ति से समष्टि तक की यात्रा करनी शुरू की है। एक वक्त था जब योग हिमालय में गुफाओं में ऋषियों, मुनियों, मनीषियों का ही साधना का मार्ग हुआ करता था। युग बदलते गए, सदियां बीतती गईं; आज योग घर-घर का, जन-जन का, उसके जीवन का हिस्सा बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने सर्वाधिक वोटों से कम से कम समय में जब योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में स्वीकृति दी, तब से ले करके आज दुनिया का

शायद ही कोई देश होगा जहां योग के संबंध में कोई कार्यक्रम न होता हो, योग के प्रति आकर्षण न बढ़ा हो, जागरूकता न बढ़ी हो।

मोदी ने कहा कि धीरे-धीरे वैज्ञानिक तरीके से, विश्व में समान रूप से योग की प्रक्रिया के मानकीकरण की दिशा में भारत में और बाहर भी बहुत सारे प्रयास चल रहे हैं। पिछले वर्ष यूनेस्को ने भारत के योग को मानव संस्कृति की अमर विरासत के रूप में मान्यता दी है। विश्व के संगठन स्कूलों में, कॉलेजों में बालकों को योग का प्रशिक्षण मिले, बालक योग से जुड़ें, और धीरे-धीरे वो जीवन का हिस्सा बन जाए, उस दिशा में जागरूकता बढ़ती चली गई है। आज भारत में भी कई राज्य ऐसे हैं जिन्होंने योग को शिक्षा का एक उपक्रम बनाया है ताकि हमारी भावी पीढ़ियां हमारे सदियों पुराने इस विज्ञान से परिचित हों, उसके अभ्यासु बनें, और वे उनके जीवन का हिस्सा बनें।

मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार के प्रकल्प होते हैं, लेकिन फिटनेस से भी ज्यादा, स्वस्थ होने से भी ज्यादा 'वेलनेस' का महत्त्व होता है और इसलिए वेलनेस को जीवन में सहज प्राप्त करने के लिए योग बहुत बड़ा माध्यम है। आज योग के सामने कहीं पर भी दुनिया में सवालिया निशान नहीं है। समयानुकूल परिवर्तन होते रहे हैं, विश्व के भिन्न-भिन्न समाज उसमें कुछ न कुछ जोड़ते रहे हैं। स्थान, काल, परिस्थिति के अनुकूल, आयु के अनुकूल, योग में उत्तरोत्तर विकास होता रहा है, उसका विस्तार भी होता रहा है। और इसलिए इस महत्वपूर्ण अवसर पर 'मैं देश और दुनिया के लोगों को, योग को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए आग्रह करता हूँ।' उन्होंने कहा कि हम जिस समय पहली बार योग करते हैं, तो पता चलता है कि हमारे शरीर के कितने महत्वपूर्ण अंग हैं, जिसकी तरफ हमारा कभी ध्यान नहीं गया, कितने बेकार होते गए हैं।

और जब योग शुरू करते हैं तो शरीर के अनेक अंग जो सुषुप्त अवस्था में पड़े हैं, उनकी जागृति को हम खुद अनुभव कर सकते हैं। उसके लिए कोई बड़ी दिव्य चेतना की आवश्यकता नहीं होती। जिन्होंने पहली बार योग किया है, उन सबको पता चलता है कि मेरे शरीर के अंग सुषुप्त पड़े थे, योग शुरू करने से ही उसके भीतर जागृति आने लगी है, चैतन्य आने लगा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'कभी लोग मुझे पूछते हैं, योग का महात्म्य की बड़ी-बड़ी चर्चा करते हैं। मैं बड़ी सरल भाषा में समझाता हूँ। नमक सबसे सस्ता होता है, सर्वदु उपलब्ध होता है, लेकिन दिनभर भोजन के अंदर अगर नमक न हो सिर्फ स्वाद बिगड़ जाता है ऐसा नहीं है, शरीर की सारी अंतर्चना को गहरी चोट पहुंचती है। नमक होता थोड़ा सा है, लेकिन पूरे शरीर की रचना में उसके महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसकी जरूरत को कोई नकार नहीं सकता है।